

◎ 吴华宝 著

# 园丁 心雨

安徽大学出版社



# 园丁心雨

吴华宝散文选集

吴华宝 著

安徽大学出版社

图书在版编目(CIP)数据

园丁心雨/吴华宝著. —合肥:安徽大学出版社,

2008.9

ISBN 978-7-81110-376-2

I. 园... II. 吴... III. 语文课—教学研究—中学

IV. G633.302

中国版本图书馆 CIP 数据核字(2008)第 141510 号

## 园丁心雨

### 吴华宝散文选集

吴华宝 著

出版发行 安徽大学出版社(合肥市肥西路3号 邮编 230039)

联系电话 编辑室 0551-5108438 发行部 0551-5107784

电子信箱 ahdxchps@mail.hf.ah.cn

责任编辑 鲍家全

封面设计 孟献辉

印刷 中国科学技术大学印刷厂

开本 880×1230 1/32

印张 9.5

字数 182.4 千

版次 2008 年 9 月第 1 版

印次 2008 年 9 月第 1 次印刷

书号 ISBN 978-7-81110-376-2

定价 19.80 元

如有影响阅读的印装质量问题,请与出版社发行部联系调换



在书房



在云南丽江白水河畔



在秋浦河畔



在澳大利亚华纳电影城

## 目 录

## 第一辑 生活速写

|                 |    |
|-----------------|----|
| 夜的温馨 .....      | 2  |
| 师生情 .....       | 3  |
| 日月云雾 .....      | 4  |
| 称呼 .....        | 5  |
| 对弈 .....        | 6  |
| 冬雨 .....        | 7  |
| “散文诗”自白 .....   | 8  |
| “天真”与“世故” ..... | 9  |
| 薄膜菜棚 .....      | 10 |
| 镜湖春色 .....      | 11 |
| 敬礼,烈士们! .....   | 12 |
| 砖窑 .....        | 13 |
| 五月与青年 .....     | 14 |
| 雨中 .....        | 15 |
| 母亲的礼物 .....     | 16 |
| 弹弓铮铮 .....      | 17 |

|                 |    |
|-----------------|----|
| 夏雨 .....        | 18 |
| 寂寞颂 .....       | 19 |
| 送行 .....        | 20 |
| 理解 .....        | 21 |
| 田野之夏 .....      | 22 |
| 山神 .....        | 23 |
| 老师向我走来 .....    | 24 |
| 雾中 .....        | 25 |
| 收获 .....        | 26 |
| 座位 .....        | 27 |
| 别子 .....        | 28 |
| 朋友,我为你悲叹! ..... | 29 |
| 我爱我的学生 .....    | 30 |
| 梅颂 .....        | 31 |
| 赤裸的山            |    |
| ——写给自己 .....    | 32 |
| 我与大山 .....      | 33 |
| 山怨 .....        | 34 |
| 太阳与月亮 .....     | 35 |
| 合肥“银河” .....    | 36 |
| 儿归 .....        | 37 |
| 乞讨 .....        | 38 |
| 淡山远眺 .....      | 39 |
| 西山断想 .....      | 40 |

|               |    |
|---------------|----|
| 做父亲 .....     | 41 |
| 小雨 .....      | 42 |
| 月之心韵 .....    | 43 |
| 人生之旅常回首 ..... | 44 |
| 琅琊寻觅 .....    | 46 |
| 赠儿子 .....     | 47 |
| 请记住.....      | 48 |
| 夏云 .....      | 49 |
| 你没来送行 .....   | 50 |
| 诗神 .....      | 51 |
| 啊,我的鸽群 .....  | 52 |
| 星斗 .....      | 53 |
| 别枝 .....      | 54 |
| 风暴 .....      | 55 |
| 月亮 .....      | 56 |
| 湖滨古塔 .....    | 57 |
| 雁阵 .....      | 58 |
| 青年 .....      | 59 |
| 十八岁的纤夫 .....  | 60 |
| 老树与幼苗 .....   | 61 |
| 冬天的树 .....    | 62 |
| 轻轻地挥别吧 .....  | 63 |
| 雾 .....       | 64 |
| 吹吧!朔风 .....   | 65 |

|                  |    |
|------------------|----|
| 啊,太阳 .....       | 66 |
| 星星 .....         | 67 |
| 蜀山遐想 .....       | 68 |
| 观庐山三叠泉 .....     | 69 |
| 故乡的小河 .....      | 70 |
| 寄友人 .....        | 71 |
| 夕阳 .....         | 72 |
| 致远方 .....        | 73 |
| 早行 .....         | 74 |
| 小溪 .....         | 75 |
| 小孤山 .....        | 76 |
| 仰望蓝天 .....       | 77 |
| 我不敢留影            |    |
| ——写给我的学生 .....   | 78 |
| 南飞的雁 .....       | 79 |
| 秋菊自诉 .....       | 80 |
| 叶之礼赞 .....       | 81 |
| 屈原的路             |    |
| ——读《离骚》 .....    | 82 |
| 错误的修剪            |    |
| ——记一位班主任的话 ..... | 83 |
| 故乡的黄昏 .....      | 85 |
| 太阳花 .....        | 86 |
| 红烛赞 .....        | 87 |

|                |     |
|----------------|-----|
| 童年的朝霞 .....    | 88  |
| 镣铐 .....       | 89  |
| 观海 .....       | 90  |
| 惆怅 .....       | 91  |
| 离别 .....       | 92  |
| 致小树 .....      | 93  |
| 孤独 .....       | 94  |
| 流星感赋 .....     | 95  |
| 我们是流星 .....    | 96  |
| 足迹 .....       | 97  |
| 心灵告白 .....     | 98  |
| 雷声隆隆 .....     | 99  |
| 祝福弟弟 .....     | 100 |
| 强者 .....       | 101 |
| 致神女峰 .....     | 102 |
| 致长城 .....      | 103 |
| 一棵大树 .....     | 104 |
| 路 .....        | 105 |
| 努力做好父亲 .....   | 106 |
| 追求之路           |     |
| ——再读《离骚》 ..... | 107 |
| 太阳之路 .....     | 108 |
| 雪花的路 .....     | 109 |
| 崎岖之路 .....     | 110 |

|              |     |
|--------------|-----|
| 眼泪 .....     | 111 |
| 云的路 .....    | 112 |
| 大山与我 .....   | 113 |
| 怀念 .....     | 114 |
| 地衣吟 .....    | 115 |
| 山亭 .....     | 116 |
| 采桑葚 .....    | 117 |
| 露 .....      | 118 |
| 天柱之美 .....   | 119 |
| 草莓 .....     | 120 |
| 雪山 .....     | 121 |
| 你的背影 .....   | 122 |
| 填充 .....     | 123 |
| 永远的阿 Q ..... | 124 |
| 困惑 .....     | 125 |
| 阳光 .....     | 126 |
| 友情 .....     | 127 |
| 理想 .....     | 128 |
| 理智 .....     | 129 |
| 嫉妒 .....     | 130 |
| 竞争 .....     | 131 |
| 梅花赞 .....    | 133 |
| 仰望棒槌峰 .....  | 134 |
| 彼岸           |     |

|                |     |
|----------------|-----|
| ——赠 G .....    | 135 |
| 地平线            |     |
| ——写给自己 .....   | 136 |
| 站在春天的田野上 ..... | 137 |
| 博大 .....       | 138 |
| 面对大海 .....     | 139 |
| 追求就像旅游 .....   | 140 |
| 站在枫桥上 .....    | 141 |
| 九寨沟的遗憾 .....   | 142 |
| 故乡的小溪 .....    | 144 |
| 雁 .....        | 145 |
| 牵牛花 .....      | 147 |
| 观对弈 .....      | 148 |
| 吃花生果 .....     | 149 |
| 黄河入海 .....     | 150 |
| 江至夔门 .....     | 151 |
| 重读小孤山 .....    | 152 |
| 漂流秋浦河 .....    | 154 |
| 瞻仰草堂 .....     | 156 |
| 冬日九寨 .....     | 157 |
| 对菊             |     |
| ——赠 G .....    | 158 |
| 亲情如水 .....     | 159 |
| 四季恋歌 .....     | 161 |

## 第二辑 世相素描

|                     |     |
|---------------------|-----|
| 洗澡 .....            | 164 |
| 喝酒 .....            | 166 |
| 淡泊之守,须从浓艳场中试来 ..... | 169 |
| 平常心 .....           | 172 |
| 向上志 .....           | 175 |
| 真实情 .....           | 177 |
| 谈羡慕 .....           | 180 |
| 说猜疑 .....           | 182 |
| 论勇敢 .....           | 185 |
| 看风扶弱柳               |     |
| ——颂和谐 .....         | 187 |
| 由三国世界领悟和谐之美 .....   | 189 |
| 愿天下无贼 .....         | 192 |
| 何惧过错 .....          | 194 |

## 第三辑 文艺随笔

|                     |     |
|---------------------|-----|
| “情”的质与量 .....       | 198 |
| 看《渴望》的思索 .....      | 200 |
| 钱塘君与孙悟空形象渊源简说 ..... | 202 |
| 借诗解文二例 .....        | 204 |
| “诗的散文”与“散文的诗” ..... | 206 |
| “文化快餐”论 .....       | 208 |

## 环境描写与深化主题

|                          |     |
|--------------------------|-----|
| ——《卖火柴的小女孩》《祝福》比较 .....  | 210 |
| 作品生命力现象 .....            | 213 |
| 《新龙门客栈》与武打片 .....        | 215 |
| 因夸以成状 沿饰而得奇              |     |
| ——五篇夸张名作比较 .....         | 217 |
| 为何“退潮”不着笔墨 .....         | 220 |
| 争鸣的风格 .....              | 222 |
| 聆听汪曾祺谈文学 .....           | 224 |
| 文学性描写的雅与俗 .....          | 226 |
| 拈连                       |     |
| ——《围城》语言的特色之一 .....      | 228 |
| 由虚入实 层层剥笋                |     |
| ——《泼留希金》与《最好的顾客》比较 ..... | 232 |
| 《皇帝的新装》三个续篇简析 .....      | 235 |
| 中外寓言一瞥 .....             | 240 |
| 他有一颗赤子之心 .....           | 247 |
| 真实的牛汉 .....              | 249 |
| 彩笔绘出新天地 .....            | 251 |
| 讨论《女生贾梅》时的发言 .....       | 253 |
| 记叙性文章首尾呼应的三种模式 .....     | 255 |
| 《卢卡诺伯爵》与《皇帝的新装》 .....    | 261 |
| 《寡人之于国也》赏析 .....         | 264 |
| 具有创新思维的大儒——荀子 .....      | 268 |

|                 |     |
|-----------------|-----|
| 解说几首古代反贪诗 ..... | 272 |
| 从“红杏尚书”谈起 ..... | 276 |

## 第四辑 附录

|                         |     |
|-------------------------|-----|
| 小白鸽与灰斑鸠                 |     |
| ——自勉勉人 .....            | 280 |
| 牛王懵了                    |     |
| ——嘲官某 .....             | 282 |
| 狼狈反目                    |     |
| ——叹人情 .....             | 284 |
| 雏鹰                      |     |
| ——赠一位心雄志壮的同志 .....      | 285 |
| 严惩不贷                    |     |
| ——讽一种社会现象 .....         | 286 |
| 门                       |     |
| ——写情 .....              | 287 |
| 竹                       |     |
| ——咏节 .....              | 288 |
| 粉笔                      |     |
| ——述职之一 .....            | 289 |
| 感作文丛书 <sup>[1]</sup> 出版 |     |
| ——述职之二 .....            | 290 |
| 教师节答友人                  |     |
| ——言志 .....              | 291 |
| 咏古                      |     |
| ——鉴今 .....              | 292 |
| 咏荷                      |     |
| ——砺品 .....              | 293 |
| 后记 .....                | 294 |

第一辑

生活速写

## 夜的温馨

薄暮冥冥，晚风习习，黑夜翩然而至。它蹑手蹑脚，而步履迅疾，朦胧迷离之间，已走遍广袤的大地。

它缓举宽厚柔软的手，抚摸新憩的山，初鼾的水，轻曳的林木，稳栖的禽鸟……

它轻移空灵神速的脚，来到灯下劳作者的周围，屏息凝视，守护其旁，久久不离，默默不语；终于，多情的灯盏告辞，人将就寝，黑夜又轻快地送上一个又一个温馨。

天安地宁，梦境幽美。夜在欣慰之余，又精心制成小曲：轻轻的山风、盈盈的海雨、瑟瑟的林涛……使宁静的大地又增添了超逸的色彩。

黑夜在夜曲飞翔之中，嘘气为雾，挥汗成露，点点滴滴，滋润大地。

想明日朝曦下：水柔，山刚，树精神，草妩媚，田畴流荡着清新气息。

(1987.11.10)